टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

जांगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जनवरी, 2026

Follow us:- @THDCIL 24x7 @THDCIL_MOP @THDC-India-limited @THDCIL India Limited - Official @THDC India Limited-Official

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

'गंगावतरणम्' का यह जनवरी 2026 का अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है। नववर्ष का प्रारंभ हमें बीते अनुभवों से सीख लेकर नई प्रतिबद्धताओं के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

यह अवसर आत्ममंथन का भी है, पिछले वर्ष की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने का तथा आगामी लक्ष्यों की ओर नई प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर होने का।

जनवरी माह का विशेष महत्व इस दृष्टि से भी है कि हमने 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस, पूर्ण गरिमा एवं उल्लास के साथ मनाया। राष्ट्रध्वज के सम्मान, संविधान के आदर्शों तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी निष्ठा को पुनः अभिव्यक्त करने का यह प्रेरणादायी अवसर रहा। इस पावन दिवस ने हमें अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति पुनः सजग किया।

इस माह निगम द्वारा विभिन्न प्रशासनिक, तकनीकी, राजभाषा एवं खेल गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। अत्यंत गर्व का विषय है कि टीएचडीसी को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा नराकास वैजयंती योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान हिंदी के प्रयोग, प्रोत्साहन एवं संवर्धन के प्रति हमारी सतत प्रतिबद्धता तथा समर्पित प्रयासों का प्रमाण है।

तकनीकी क्षेत्र में भी निगम ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। अमेलिया कोल माइन तथा खुर्जा परियोजना में हुई प्रगति हमारे संगठन की कार्यकुशलता, समन्वय और दूरदर्शी योजना का परिचायक है। ये उपलब्धियाँ न केवल हमारी तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में टीएचडीसी की प्रतिष्ठा को भी और सशक्त बनाती हैं।

खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत ऋषिकेश में आईसीपीएसयू शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसने विभिन्न उपक्रमों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित किया। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भी हमारी टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर निगम को गौरवान्वित किया, जो कर्मचारियों की बहुआयामी प्रतिभा का परिचायक है।

साथ ही, निगम द्वारा 'Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970' पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सेवाओं में SC/ST/OBC/EWS/PwBD कर्मचारियों के लिए आरक्षण नीतियों से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा संगठन में समावेशी एवं न्यायसंगत कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करना रहा है। यह पहल सुशासन, उत्तरदायित्व और समान अवसर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

नववर्ष हमें यह संदेश देता है कि यदि संकल्प स्पष्ट हों, प्रयास निरंतर हों और टीम भावना सशक्त हो, तो कोई भी लक्ष्य अप्राप्य नहीं रहता। टीएचडीसी परिवार का प्रत्येक सदस्य संगठन की प्रगति का अभिन्न अंग है, और सामूहिक प्रयासों से ही हम आने वाले समय में नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेंगे।

अंत में, इसी भावना के साथ —

"सफलता उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है;
पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।"

आप सभी को नववर्ष की पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

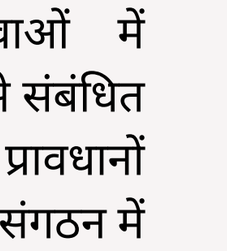

मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का 77वें गणतंत्र दिवस का संदेश

प्रिय साथियों, आप सभी को देश के 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

साथियों, 26 जनवरी का यह पावन अवसर हम सभी के लिए अत्यंत गौरव, एकता और उत्सव का दिन है। यह भारत की संवैधानिक चेतना का प्रतीक है। आज ही के दिन, सन् 1950 में हमारा संविधान लागू हुआ और भारत ने स्वयं को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था ही नहीं है, बल्कि मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारियों से संचालित एक जीवंत प्रणाली है।

76 वर्षों की यह यात्रा हमें सिखाती है कि अधिकार हमें सशक्त बनाते हैं, लेकिन कर्तव्य हमें दिशा देते हैं। न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता हमारे संविधान के साथ-साथ भारत की आत्मा को भी परिभाषित करते है। मैं मानता हूं कि एक सशक्त राष्ट्र वही होता है जहाँ नागरिक अपने दायित्वों को उतनी ही गंभीरता से निभाते हैं जितनी अपेक्षा वे अपने अधिकारों से करते हैं। और जब हम अपने अधिकार की बात करते हैं, तो इस अवसर पर उन वीर सेनानियों को भी स्मरण करना हमारा दायित्व है, जिनके साहस, त्याग और समर्पण से हमारा राष्ट्र सुरक्षित और लोकतंत्र सशक्त बना हुआ है।

इन्हीं मूल्यों और संकल्पों की नींव पर आज भारत विकास की नई यात्रा लिख रहा है। अनेक परिस्थितियों और चुनौतियों को पार करते हुए, हम सभी के अथक प्रयासों से हमारे देश ने विकास के नए मानदंड स्थापित किए हैं। आज का भारत एक आत्मविश्वासी, भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र है, जो विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इस विकास यात्रा में सतत सामाजिक-आर्थिक विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचा, डिजिटल विस्तार और जलवायु प्रतिबद्धताएं अत्यंत आवश्यक हैं। और इन सभी की नींव, मजबूत एवं भरोसेमंद विद्युत क्षेत्र पर टिकी है। आज, ऊर्जा क्षेत्र केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहा है, यह परिवर्तन, संतुलन और दीर्घकालिक लचीलेपन में सिद्धहस्त साबित हो रहा है। भारत का ऊर्जा क्षेत्र आज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा अब भविष्य की बात नहीं रही, बल्कि वर्तमान की प्राथमिकता बन चुकी है। स्वच्छ ऊर्जा, ग्रिड स्थिरता और सततता यह आज केवल नीतिगत लक्ष्य नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आवश्यकता है। विगत वर्षों में भारत ने विद्युत क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमने समय से लगभग पाँच साल पहले ही 50% गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। अक्टूबर, 2025 तक हमारी गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी 51% तक पहुँच चुकी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत सतत और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। आज देश अपनी बढ़ती हुई बिजली की मांग को पूरा करने और सततता को बढ़ावा देने, इन दोनों लक्ष्यों के बीच संतुलन साधने में सफल रहा है। यह हमारे ऊर्जा क्षेत्र की विकास और परिचालन शक्ति को भी दर्शाता है।

साथियों, इसी राष्ट्रीय प्रयास की कड़ी में, आज मैं गर्व के साथ यह कह सकता हूँ कि टीएचडीसी ने भी इस परिवर्तनकारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीएचडीसी की यह यात्रा केवल परियोजनाओं तक की ही नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता, क्षमता और सामूहिक प्रयासों की कहानी है। टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट जैसी रणनीतिक परियोजनाएं ग्रिड स्थिरता और अक्षय ऊर्जा एकीकरण को मजबूती प्रदान कर रही है। वहीं, 1320 मेगावाट खुर्जा एसटीपीपी जैसे माइलस्टोन यह दर्शाते हैं कि टीएचडीसीआईएल बड़े पैमाने पर, विश्वसनीय और भविष्योन्मुख बिजली बुनियादी ढांचा प्रदान करने में सक्षम है। यह उपलब्धियाँ केवल नंबर या माइलस्टोन ही नहीं हैं, बल्कि ये हमारी प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतिफल हैं। इन सभी सफलताओं के पीछे दुर्गम

भौगोलिक परिस्थितियों में कार्यरत हमारी फील्ड टीम, परियोजना स्थलों पर दिन-रात जुटे सहकर्मी, ऑफिस में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी तथा हमारी सपोर्टिंग एजेंसियों सहित समस्त टीएचडीसी और उनके परिवारजनों की अथक मेहनत और समर्पण है। इन सभी सामूहिक प्रयासों और सतत प्रदर्शन का परिणाम यह है कि हाल ही में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को बाहरी प्रतिष्ठित क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से, जिसमें आईसीआरए, केयर और इंडिया रेटिंग्स से क्रेडिट रेटिंग में अपग्रेड प्राप्त हुआ है। रेटिंग एजेंसियों ने कंपनी की निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभप्रदता और मजबूत बैलेंस शीट को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग को 'स्थिर दृष्टिकोण' के साथ 'AA' से बढ़ाकर 'AA+' कर दिया है। यह अपग्रेड केवल एक वित्तीय इन्डिकेटर नहीं है, बल्कि टीएचडीसीआईएल की संस्थागत ताकत, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और अनुशासित निष्पादन पर एजेंसियों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि टीएचडीसीआईएल न केवल परियोजनाओं को समय पर पूरा कर रहा है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और हितधारकों के विश्वास को भी समान रूप से सुदृढ़ कर रहा है। यह पहचान हमें फिस्कल डिसिप्लिन बनाए रखने, गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स को मज़बूत करने और ज़िम्मेदार और सस्टेनेबल ग्रोथ की अपनी यात्रा जारी रखने के लिए और मोटिवेट करती है।

साथियों, हमने एक मजबूत टेक-ऑफ ज़रूर किया है, लेकिन वास्तविक सफलता इस गति को बनाए रखने और इसे और ऊँचाइयों तक ले जाने में निहित है। उपलब्धि हासिल करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे बनाए रखना और सुदृढ़ करना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमें और अधिक अनुशासन, स्पष्ट लक्ष्य और कलेक्टिव ओनरशिप की आवश्यकता है। हमें अपनी सिस्टम को अधिक मजबूत कर प्रक्रियाओं को सरल और सुव्यवस्थित करना होगा, साथ ही हर स्तर पर जवाबदेही को और सुदृढ़ करना होगा।

आज हमारे चारों ओर की दुनिया तेज़ी से बदल रही है। टेक्नोलॉजी विकसित हो रही है, उम्मीदें बढ़ रही हैं, और समयसीमाएँ कम हो रही है। ऐसे डायनामिक माहौल में हमें सिर्फ़ रिस्पॉन्सिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव और फ्यूचर-रेडी बनना होगा। हमें लगातार अपनी स्किल्स को अपग्रेड करना होगा, इनोवेशन को अपनाना होगा, और उसमें तेज़ी से ढलना होगा, साथ ही सेफ्टी, क्वालिटी और इंटीग्रिटी के अपने कोर वैल्यूज़ पर टिके रहना होगा।

आगे की ओर देखते हुए, अरुणाचल प्रदेश में 1200 मेगावाट कलाई-II जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स हमारे सामने नई जिम्मेदारियाँ और नए अवसर लेकर आए हैं। हमें इन लक्ष्यों को रिकॉर्ड समय-सीमा में हासिल करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा। इसके लिए समन्वय, उत्कृष्टता और अटूट समर्पण की आवश्यकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रतिबद्धता और टीम वर्क के साथ टीएचडीसी ने अब तक माइलस्टोन हासिल किए हैं, हमें इन लक्ष्य को रिकॉर्ड टाइमलाइन में हासिल करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा। उसी उत्साह के साथ हम आगे भी निरंतर सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करते रहेंगे।

अंत में, मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आज के इस राष्ट्रीय पर्व पर हम पुनः उन वीर सैनिकों को नमन करें, जो देश की सीमाओं पर अडिग रहकर हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। अदम्य साहस, त्याग और अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से, हमारे वीर सैनिक राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा कर रहे हैं। आज का दिन उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का है। आइए, हम सभी उनके सम्मान में अपने मन और कर्म से एक सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें और देश की प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें।

जय हिंद! जय भारत !

सिपन गर्ग

(**सिपन कुमार गर्ग**)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार, श्री मनोहर लाल द्वारा 16 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित निवास पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड तथा नीपको की परिचालन स्थिति, सुरक्षा व्यवस्थाओं, उत्पादन क्षमता तथा तकनीकी गतिविधियों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत एवं गहन समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

एनसीआर कार्यालय में संसदीय राजभाषा समिति की द्वितीय उपसमिति का निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने 19 जनवरी, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के एनसीआर कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न होने पर हर्ष व्यक्त किया एवं संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के माननीय उपाध्यक्ष, माननीय संयोजक एवं माननीय सदस्यगणों का आभार एवं धन्यवाद संप्रेषित किया।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के द्वारा 19 जनवरी, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के एनसीआर कार्यालय, कौशांबी का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उप समिति के संयोजक एवं माननीय सांसद (लोकसभा), श्री उज्जवल रमण सिंह, माननीय सांसद (लोकसभा), श्री शंकर लालवानी, माननीय सांसद (राज्यसभा), डॉ सुमेर सिंह सोलंकी जी, माननीय सांसद (लोकसभा), श्री हरिभाई पटेल, माननीय सांसद (लोकसभा), श्री कुलदीप इन्दौरा, माननीय सांसद (लोकसभा), श्री जियाउर्रहमान ने एनसीआर कार्यालय, कौशांबी में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान समिति के माननीय सदस्यों ने टीएचडीसी के एनसीआर कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्वयन को और बेहतर करने के लिए अनेक मूल्यवान सुझाव दिए। इस अवसर पर समिति की सचिव, सुश्री राधा कत्याल नारंग एवं समिति सचिवालय के अधिकारी उपस्थित थे।

टीएचडीसी की ओर से एनसीआर कार्यालय, कौशांबी के कार्यपालक निदेशक, श्री नीरज वर्मा, कारपोरेट कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक(मा.सं. एवं प्रशा.), डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, एनसीआर से श्री के.के.श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक (व्यापार विकास), श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (रा.भा.), श्री रोहित जोशी, उप प्रबंधक(प्रशा.), श्रीमती मीनल श्रीवास्तव, सहा.प्रबंधक (मा.सं.) ने निरीक्षण बैठक में भाग लिया। विद्युत मंत्रालय की ओर से श्री धीरज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता (ईसी, ईटी, ईवी एवं राजभाषा प्रभारी) तथा श्री शमशेर सिंह उप निदेशक (राजभाषा), एवं श्री सुशील कुमार, सहा. निदेशक (राजभाषा) उपस्थित रहे।

Chairman and Managing Director, THDC, Shared Vision for 2026 in New Year Address

On 01st January, 2026 (the New Year's Day), Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, addressed the employees of THDCIL at Rasmanjari Hall, Corporate Office, Rishikesh. Employees from various projects and units of THDCIL joined the program through virtual mode.

On the occasion, Sh. Kumar Sharad, ED (Projects), warmly welcomed the Chairman and Managing Director with a shawl, and Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR and A-CC) presented a bouquet as a mark of respect and greetings for the New Year.

In his address, Sh. Garg extended New Year wishes to all employees and appreciated their dedication and contributions towards the growth of the organization. He highlighted the recent achievements of THDCIL and spoke about the future prospects, ongoing projects, and expansion plans of the company. He encouraged employees to continue working with commitment, teamwork, and a result-oriented approach to achieve new milestones in the coming year.

The program concluded with a renewed sense of motivation and optimism among employees for the year ahead.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में देशभक्ति की भावना के साथ देश का 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग ने ऋषिकेश स्थित कंपनी के मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने परियोजना स्थलों और कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया एवं गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही, सतत एवं विश्वसनीय विद्युत उत्पादन के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति संगठन की सामूहिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर टीएचडीसी परिवार ने संविधान निर्माताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और भारत में लोकतंत्र की नींव रखने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिससे राष्ट्रीय गौरव की भावना की अनुभूति की गई।

जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री सिपन कुमार गर्ग ने टीएचडीसी के कर्मचारियों के सामूहिक समर्पण को स्वीकार करते हुए राष्ट्र के विद्युत क्षेत्र को सुदृढ़ करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने रेखांकित किया कि टीएचडीसी की वर्षों की यात्रा निरंतर प्रदर्शन, लचीलापन और रणनीतिक विकास को दर्शाती है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, श्री गर्ग ने बताया कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की संस्थापित क्षमता में लगभग 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 1,587 मेगावाट से बढ़कर 3,657 मेगावाट हो गई है, जो कि कंपनी के उत्पादन पोर्टफोलियो के महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि इस वृद्धि के साथ-साथ टीएचडीसी की वित्तीय स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। कंपनी की क्रेडिट रेटिंग 'एए' से 'एए+' में अपग्रेड हो गई है, जो इसके सुदृढ़ परिचालन प्रदर्शन और वित्तीय अनुशासन की पुष्टि करती है। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी प्रगति, बढ़ती अपेक्षाएं और सीमित समय सीमा यह मांग करती हैं कि संगठन न केवल उत्तरदायी हो अपितु सक्रियता के साथ भविष्य के लिए तैयार भी रहे। ऋषिकेश स्थित कॉर्पोरेट मुख्यालय में आयोजित समारोह में श्री एल. पी. जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.-प्रशा. एवं कें.सं.), एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की सभी परियोजनाओं और कार्यालयों में गणतंत्र दिवस का उत्सव विशेष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां और कर्मचारियों की भागीदारी शामिल थी, जो संगठन की एकता, गौरव और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाती है।

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

कौशांबी

एनसीआर कार्यालय, कौशांबी में श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी) राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

टिहरी

टिहरी परियोजना में श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

देहरादून

देहरादून कार्यालय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अजय कुमार गोयल राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

पीपलकोटी

पीपलकोटी परियोजना में श्री अजय वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए |

अमेलिया

अमेलिया कोल माइन परियोजना में श्री ए. के. शर्मा, ओएसडी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

खुर्जा

खुर्जा परियोजना में श्री बी. के. साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

झाँसी

टुस्को लिमिटेड के झाँसी कार्यालय में देश के 77 वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

लखनऊ

टुस्को कार्यालय, लखनऊ में देश के 77वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

द्वारका

देवभूमि द्वारका पवन परियोजना में देश के 77वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

चित्रकूट

चित्रकूट कार्यालय में देश के 77वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

कासरगॉड

कासरगॉड सौर परियोजना में देश के 77वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश परियोजना में देश के 77वें गणतंत्र दिवस के आयोजन का दृश्य |

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की क्रेडिट रेटिंग “AA+” में हुई अपग्रेड

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को वित्तीय मजबूती और निरंतर विकास की महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में, मेसर्स आईसीआरए लिमिटेड, मेसर्स केयर लिमिटेड और मेसर्स इंडिया रेटिंग से क्रेडिट रेटिंग में अपग्रेड रेटिंग प्राप्त हुई है। रेटिंग एजेंसियों ने निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभप्रदता और मजबूत बैलेंस शीट को ध्यान में रखते हुए निगम की लंबी अवधि की क्रेडिट रेटिंग को 'स्थिर' आउटलुक के साथ “AA” से बढ़ाकर “AA+” कर दिया है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक व निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग ने पूरी टीएचडीसी टीम को बधाई दी और कहा कि क्रेडिट रेटिंग में सुधार कंपनी की मजबूत वित्तीय प्रगति और अनुशासित रणनीतिक क्रियान्वयन को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि बेहतर रेटिंग, परिचालन दक्षता, दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और मजबूत पूंजी संरचना के रखरखाव पर टीएचडीसी के निरंतर ध्यान का एक बाहरी प्रमाण है। बेहतर क्रेडिट रेटिंग से टीएचडीसी की पूंजी बाजारों तक पहुंच और मजबूत होने, उधार लेने की लागत में संभावित कमी आने और निवेशकों का विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। इससे भविष्य में विकास के अवसरों और रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की वित्तीय क्षमता को भी मजबूती मिलती है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में से एक है, जिसका 3,657 मेगावाट का विविध परिचालन पोर्टफोलियो है, जिसमें जलविद्युत, पवन, सौर, पंप स्टोरेज और थर्मल पावर आदि परियोजनाएं शामिल हैं।

कंपनी के पोर्टफोलियो में भारत का पहला वेरिएबल स्पीड पंप्ड स्टोरेज प्लांट भी शामिल है। मजबूत परिसंपत्ति आधार, स्थिर नकदी प्रवाह और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के बल पर टीएचडीसीआईएल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है, और साथ ही देश के ऊर्जा परिवर्तन में भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है।

KSTPP Achieves Milestone with First Coal Rake from Captive Amelia Coal Mine

1320 MW Khurja Super Thermal Power Plant marked an important milestone with the successful inaugural run of its first coal-laden own rake with coal sourced from its captive Amelia Coal Mine on 22 January 2026. Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited informed that this event signifies a major step towards strengthening fuel security and ensuring uninterrupted coal supply for the project’s operations. The coal rake, procured as part of KSTPP’s fuel linkage and procurement strategy, was dispatched from the Amelia Coal Mine and received at the KSTPP premises, symbolizing the beginning of a reliable and sustainable coal transportation arrangement. The successful movement of this rake reflects effective coordination among THDC India Limited and Indian Railways ensuring adherence to safety, quality, and logistical protocols. Sh. Kumar Sharad, ED (Projects) said that the inaugural run underscores KSTPP’s commitment to operational self-reliance and efficient resource management. Availability of own railway wagons & coal from THDCIL’s own mine is expected to enhance supply assurance, optimize costs, and support consistent power generation. This development also aligns with the broader objective of strengthening domestic coal utilization and supporting India’s energy security. Sh. B.K. Sahoo (CGM, Project), Sh. R.M. Dubey (GM, Electrical), Sh. Sandeep Bhatnagar (GM, Finance), Sh. Rakesh Ratan Pathak (DGM, Railway Siding) along with senior officials and representatives of THDC, M/s RITES and M/s Steag were also present on this occasion.

The inaugural dispatch of the coal-laden rake from Amelia Coal Mine thus stands as a significant achievement for KSTPP, Khurja, reinforcing its readiness to meet growing power demand through reliable fuel supply and efficient operations.

THDCIL secured Second Runner-Up position in 15th ICPSU Athletic Tournament

Demonstrating remarkable team spirit and athletic excellence, THDCIL secured Second Runner-Up position in the overall championship (both Men's and Women's categories) at the 15th ICPSU Athletic Tournament held at Shillong, Meghalaya. The team also secured five gold medals in individual events, marking a significant achievement for the organisation. The tournament was conducted under the aegis of the Power Sports Control Board from 27th to 29th January, 2026 and was hosted by NEEPCO.

Congratulating the team, Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDC India Limited, applauded the athletes for their dedication, discipline, and outstanding performance. Sh. Garg added that this achievement reflects the spirit of the THDC family and our commitment to building a healthy and motivated workforce. THDCIL remains committed to the holistic development of its employees, with emphasis on health, learning, and continuous growth.

Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR-Admin, CC) congratulated Team THDCIL on this achievement and urged employees to actively participate in sports and fitness activities. Among the standout performers, Sh. Anand Yadav clinched three gold medals in the 400 m, 800 m, and 1500 m events, delivering an exceptional performance. Ms. Ankita further strengthened the medal tally by winning two gold medals in the 100 m and 200 m races and securing fourth position in the 400 m event. In other track and field events, Sh. Pradeep Kumar secured fifth position in the Men's 100 m and 200 m races. In Shot Put, Sh. Ankit Rana achieved fourth position, while Shri Vipin Tomar and Ms. Bhawana Rawat secured sixth positions in their respective categories. Sh. Anurag Verma delivered strong performances with a fifth-place finish in Triple Jump and fourth place in Long Jump. THDCIL team also secured fourth position in the Men's Relay, Women's Relay, and Mixed Relay events.

खुर्जा परियोजना में श्रमिकों हेतु बीओसीडब्ल्यू पंजीकरण शिविर का आयोजन

20 जनवरी, 2025 को टीएचडीसी की खुर्जा परियोजना में कार्यरत निर्माण श्रमिकों के लिए बीओसीडब्ल्यू (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम) के अंतर्गत एक विशेष पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य निर्माण क्षेत्र में लगे कामगारों को सरकारी कल्याणकारी सुविधाओं और सुरक्षा तंत्र से सीधे जोड़ना था। इस शिविर के माध्यम से श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें प्रणाली का हिस्सा बनाने का प्रयास किया गया। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें शिशु एवं मातृत्व सहायता, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना और कन्या विवाह सहायता योजना प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता और आपदा राहत सहायता जैसी योजनाएं श्रमिकों को विषम परिस्थितियों में संबल प्रदान करती हैं। इन सभी लाभों को प्राप्त करने के लिए बीओसीडब्ल्यू अधिनियम के तहत पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद श्रमिक न केवल उत्तर प्रदेश सरकार, बल्कि भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हो जाते हैं। इसके अंतर्गत पंजीकृत कामगारों को नियमित अवकाश, जीवन बीमा और उनके परिवार व बच्चों के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ सुनिश्चित किए जाते हैं। खुर्जा परियोजना प्रबंधन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन हो ताकि कोई भी पात्र श्रमिक इन लाभों से वंचित न रहे। इस शिविर के सफल आयोजन में टीएचडीसी की मानव संसाधन टीम और बुलंदशहर के श्रम विभाग के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। बुलंदशहर के कार्यवाहक श्रम आयुक्त ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर श्री अरविन्द कुमार धीमान (श्रम प्रवर्तन अधिकारी, बुलंदशहर), श्री दिलीप कुमार द्विवेदी (उप महाप्रबंधक, मानव संसाधन एवं प्रशासन) और श्री सूर्य नारायण सिंह (सहायक प्रबंधक) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भयत्यागाद् हि प्रस्थानम्।
Life begins when fear ends.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित 31वीं इंटर सीपीएसयू शतरंज प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड (पीएससीबी), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित 31वीं इंटर–सेंट्रल पावर सेक्टर अंडरटेकिंग्स (आईसीपीएसयू) शतरंज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन दिनांक 31 जनवरी, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में किया गया। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 28 जनवरी, 2026 को हुई थी। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा पीएससीबी का ध्वज फहराकर किया गया।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सिपन कुमार गर्ग ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित खेल भावना की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि टीएचडीसीआईएल खेल एवं स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सतत रूप से प्रतिबद्ध है, जो कर्मचारियों के समग्र विकास में सहायक होने के साथ-साथ विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के मध्य आपसी सौहार्द को सुदृढ़ करता है।

समापन समारोह में डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन–प्रशासन एवं केंद्रीय संचार), टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को बधाई दी तथा पूरे टूर्नामेंट के दौरान सभी टीमों द्वारा प्रदर्शित उत्साहपूर्ण सहभागिता एवं अनुकरणीय खेल भावना की प्रशंसा की।

इस प्रतियोगिता में विद्युत क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों की कुल 11 टीमों ने भाग लिया। पुरुष शतरंज चैंपियनशिप (टीम स्पर्धा) में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) द्वितीय स्थान पर रहा तथा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुरुष व्यक्तिगत शतरंज चैंपियनशिप में श्री सौरभ बिस्वास (ग्रिड इंडिया) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्री सौरभ धीमान (एसजेवीएनएल) एवं श्री नागा पवन कल्याण कुमार (पीजीसीआईएल) ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महिला शतरंज चैंपियनशिप (टीम स्पर्धा) में पीजीसीआईएल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एनएचपीसी द्वितीय एवं ग्रिड इंडिया तृतीय स्थान पर रहा। महिला व्यक्तिगत शतरंज चैंपियनशिप में सुश्री लिया जॉर्ज (एनएचपीसी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुश्री हिमांशी (पीजीसीआईएल) एवं सुश्री कमलेश (पीजीसीआईएल) ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री ए. के. विश्वकर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन–कल्याण) द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन स्विस प्रणाली के अंतर्गत, फीडे (एफ.आई.डी.ई.) के समस्त नियमों एवं विनियमों का पूर्णतः पालन करते हुए किया गया।

प्रतियोगिता का संचालन सुश्री स्वाति भट्ट (अंतरराष्ट्रीय निर्णायक), श्री संकल्प अरोड़ा (फीडे निर्णायक) एवं सुश्री प्रकृति मनोध्या (फीडे निर्णायक) द्वारा किया गया।

उक्त टूर्नामेंट में विद्युत मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.), भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.), दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डी.वी.सी.), ग्रिड इंडिया, एनएचपीसी, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.), एसजेवीएनएल तथा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की टीमों ने सहभागिता की।

शतरंज टूर्नामेंट के समापन समारोह की झलकियाँ

श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा वीपीएचईपी परियोजना का निरीक्षण

03 जनवरी, 2026 को श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) के विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पहले दिन उन्होंने बांध स्थल हेलंग का दौरा किया, जहाँ पर उन्हें मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री अजय वर्मा एवं महाप्रबंधक (बांध), श्री आर.पी. मिश्रा ने बाँध क्षेत्र में संचालित कार्यों की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दूसरे चरण में कार्यपालक निदेशक द्वारा पावर हाउस का दौरा किया जिसमें उन्हे श्री वर्मा ने भूमिगत पॉवर हाउस के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। इसके उपरांत परियोजना कार्यालय में परियोजना के समस्त अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने परियोजना कार्यों में और अधिक गति लाने, गुणवत्ता मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने तथा कार्यों को पारदर्शिता के साथ निष्पादित करने के निर्देश दिए।

साथ ही परियोजना से संबद्ध कार्यदायी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यपालक निदेशक द्वारा समस्त कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में, उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। परियोजना कार्यों के निरीक्षण के दूसरे दिन अर्थात 04 जनवरी, 2026 को कार्यपालक निदेशक द्वारा परियोजना प्रमुख के साथ टीबीएम साइट का निरीक्षण कर विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान अन्य अधिकारियों में श्री के.पी. सिंह (महाप्रबंधक–टीबीएम/ पावर हाउस/सा.एवं पर्या.),श्री रविंद्र सिंह राणा (महाप्रबंधक–इलेक्ट्रो-मैके.),श्री संजय मंगाई (अपर महाप्रबंधक–एचएम/यांत्रिक), श्री मनोज पांडेय (अपर महाप्रबंधक–विद्युत एवं संचार), श्री बी.एस. पुंडीर (अपर महाप्रबंधक–नियोजन एवं सुरक्षा), श्री मुकुल शर्मा (अपर महाप्रबंधक–तकनीकी सचिव परियोजना), श्री अजय कुमार (अपर महाप्रबंधक–जी. एंड जी.) आदि उपस्थित रहे |

टिहरी परियोजना में सेवा-टीएचडीसी के द्वारा 10-दिवसीय शीतकालीन शिविर का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उतरदायित्वों के तहत सेवा-टीएचडीसी के अंतर्गत टिहरी बांध परियोजना इंटर कॉलेज, भागीरथीपुरम में बालिकाओं के समग्र विकास को समर्पित एक अनूठी पहल “टीएचडीसी मिशन शक्ति” का 03 जनवरी, 2026 को शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, माननीय विधायक, टिहरी, श्री किशोर उपाध्याय द्वारा किया गया | इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एम. के. सिंह, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री हर्ष कुमार जिंदल, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री मोहन सिंह उपस्थित रहे। यह शिविर 12 जनवरी, 2026 तक चला।

विधायक, टिहरी, श्री किशोर उपाध्याय ने अपने सम्बोधन में कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड न केवल ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, बल्कि उत्कृष्ट कार्यों और सामाजिक दायित्वों के माध्यम से क्षेत्र के विकास में भी निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। टीएचडीसी, मिशन शक्ति जैसी पहलों के माध्यम से, अपने परियोजना क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने तथा सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने हेतु नवाचारी एवं समावेशी सीएसआर कार्यक्रमों को निरंतर क्रियान्वित कर रही है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और जनहितकारी सेवाओं की भी उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री एम. के. सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि टीएचडीसी केवल ऊर्जा उत्पादन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास को अपनी जिम्मेदारी मानता है। टीएचडीसी की सीएसआर गतिविधियां इसी सोच का सशक्त उदाहरण हैं। कार्यक्रम के दौरान चयनित 12 छात्राओं को ट्रैक सूट, शर्ट, जूते, स्किपिंग रोप, दस्ताने, मोजे, जैकेट, स्कूल बैग, पानी की बोतल, स्टेशनरी आदि सामग्री सहित आवश्यक वस्तुओं से युक्त संपूर्ण छात्र किट प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक (जनसम्पर्क), श्री आर. एस. गुसाईं, प्रबंधक (सीएसआर–टिहरी) तथा टिहरी बांध परियोजना इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री शिवेंद्र सिंह रावत, शिक्षकगण, छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की 41वीं बैठक संपन्न, टीएचडीसी नराकास वैजयंती योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित

श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हरिद्वार के द्वारा टीएचडीसी को नराकास वैजयंती योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया। श्री गर्ग ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर विकास हेतु हमें इसी प्रकार कड़ी मेहनत एवं लगन से कार्य करने की आवश्यकता है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 41वीं अर्धवार्षिक बैठक 29 जनवरी, 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता टीएचडीसी के मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी ने की। बैठक में समिति के सदस्य संस्थानों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों एवं राजभाषा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की। विदित ही है कि नराकास हरिद्वार देश की सबसे बड़ी नराकासों में से एक है जिसमें सदस्य संस्थानों की संख्या 73 हो गई है। इस समिति में रुड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश एवं पर्वतीय क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के संस्थान एवं कार्यालय सम्मिलित हैं।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष, डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के निदेशक, प्रो. कमल किशोर पंत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के राजभाषा प्रभारी, प्रो. अविनाश पाराशर, राजभाषा विभाग के उप निदेशक, श्री छबिल मेहेर एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कुल गीत का गायन किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक, प्रो. कमल किशोर पंत ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया ।

बैठक के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के अध्यक्ष, डॉ त्रिपाठी एवं मंचासीन अतिथिगणों ने अपने कर-कमलों से छमाही के दौरान नराकास के तत्वावधान में आयोजित हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इन प्रतियोगिताओं में टीएचडीसी के सहायक प्रबंधक, श्री नीरज शर्मा को प्रथम एवं सहायक प्रबंधक, श्री गोविंद रेलिया को प्रोत्साहन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। बैठक में वर्ष 2024-25 के दौरान अपने संस्थानों में राजभाषा का श्रेष्ठ कार्यान्वयन सुनिश्चित करने वाले संस्थानों को भी नराकास राजभाषा वैजयंती योजना के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इसमें टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कारपोरेट कार्यालय को सार्वजनिक उपक्रमों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बैठक में समिति के सदस्य सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा द्वारा नराकास हरिद्वार द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा से संबंधित नवीनतम जानकारियों से अवगत कराया गया । उन्होंने राजभाषा हिंदी की प्रगति की अर्धवार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा की। इसके उपरांत चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन), श्री छबिल कुमार मेहेर ने भारत सरकार की राजभाषा नीति, संविधान में राजभाषा के संबंध में किए गए प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963 एवं राजभाषा नियम, 1976 में दिए गए प्रावधानों के बारे में जानकारी दी।

समिति के अध्यक्ष, डॉ. त्रिपाठी ने अपने संबोधन में प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं नराकास वैजयंती योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किए गए संस्थानों को बधाई दी। उन्होंने गत वर्ष 15 सितंबर, 2025 को नराकास हरिद्वार को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रशंसनीय श्रेणी में पुरस्कृत किए जाने पर सभी संस्थानों को बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित की। उन्होंने कहा कि नराकास हरिद्वार के सभी कार्यक्रम एवं गतिविधियां समय पर संचालित हो रही हैं, आवश्यकता है कि सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुख समिति की बैठकों में नियमित रूप से भाग लें ताकि यह नराकास भविष्य में उत्कृष्ट श्रेणी में पुरस्कृत हो सके।

कार्यक्रम के अंत में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रो. अविनाश पाराशर ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों, राजभाषा अधिकारियों, हिंदी समन्वयकर्ता अधिकारियों का बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद संप्रेषित किया।

नई ऊर्जा - नया जोश: टीएचडीसी परिवार में आपका हार्दिक स्वागत है...

श्री साहिल
अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश

श्री विवेक कुमार
अधिकारी (मा.सं.-प्रशा.)
खुर्जा

भयत्यागाद् हि प्रस्थानम्।
Life begins when fear ends.

HRD Corner

Training Program on 'Contract Labour Regulation & Abolition Act (CLRA), 1970'

A training program on "Contract Labour Regulation & Abolition Act (CLRA), 1970" was conducted at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, in two batches on 19th & 21st January, 2026, for all dealing officers and EICs posted at Rishikesh Unit.

The program was designed to enhance clarity on statutory provisions, roles and responsibilities, and compliance requirements, especially in the context of the upcoming New Labour Codes. The program was facilitated by our In-House faculty, and the sessions enabled participants to align existing practices with the evolving labour law framework.

Participants appreciated the practical insights, case-based discussions and compliance aspects, and shared positive feedback on the relevance and usefulness of the program.

02-day Training Program on 'Reservation Policies in Services for SC/ST /OBC/EWS/PwBD Employees'

A 02-day training program on "Reservation Policies in Services for SC/ST/OBC/EWS/PwBD Employees" was conducted at the Sustainable Livelihood & Community Development Centre, THDCIL, Rishikesh, from 22nd to 23rd January, 2026 for executives, including HR Professionals and Liaison Officers from across THDCIL units viz. Rishikesh, Tehri, Koteshwar, NCR, Pipalkoti, Lucknow and Khurja.

The objective of the program was to strengthen understanding of statutory provisions, government guidelines and procedural requirements related to reservation policies, ensuring effective implementation and strict compliance with PSU norms. The program was delivered by Sh. Sandeep Mukherjee, Director, Department of Personnel & Training, Govt. of India. The sessions facilitated clarity on the roles and responsibilities of HR and Liaison Officers in monitoring, reporting and grievance redressal mechanisms.

Participants appreciated the structured content, practical interpretations and opportunity for interaction, and provided positive feedback on the program's relevance and compliance-focused approach.

VPHEP Teams Shine at NCQC-2025

Two Quality Circle teams 'Alaknanda' and 'Prayas' from Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) of THDC India Limited brought laurels to the organisation by winning the prestigious "Par Excellence Award" at the 39th National Convention on Quality Concepts (NCQC-2025). The national-level convention was organised by the Quality Circle Forum of India (QCFI) at GL Bajaj Institute of Technology & Management, Greater Noida (U.P.) from 19 to 22 December 2025. Team Alaknanda presented a case study titled "Mismanagement of Official Records in Departments". The team comprised Sh. Ahmad Reza (Asst. Manager, HR&A – Facilitator), Sh. Avinash Kumar (Asst. Manager, HR&A – Dy. Facilitator), Sh. Mukesh Kumar (Assistant, Environment – Leader), Sh. Manoj Kumar (Assistant, F&A – Member) and Sh. Shivam Kulasari (Jr. Technician, Planning – Member). Team Prayas presented a case study on "Delay in Starting DG System After Power Cut". The team included Sh. Raju Maurya (Dy. Manager (TBM)-Facilitator), Sh. Anil Bisht (AE (HM) -Leader), Sh. Arvind Gond (JE (Planning)- Member), Sh. Rajeev (Technician (IT) - Member), Sh. Saroj Kumar (Attendant (Social) - Member) and Deepak Shah, (Attendant (HM)- Member). On 19th Jan, 2026, the members of both teams, along with Sh. V.D. Bhatt, Senior Manager (HR&A), formally handed over their respective trophies and certificates to Sh. Ajay Verma, Head of Project (VPHEP) at the project site.

भयत्यागाद् हि प्रस्थानम्।
Life begins when fear ends.

पूर्व मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई हेतु विदाई समारोह का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 01 जनवरी, 2026 को पूर्व मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। इस अवसर पर श्रीमती विश्नोई का सैशे पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें यादगार स्वरूप एक स्मृति पत्र, मोमेंटो और पौधा भेंट स्वरूप प्रदान किया। श्रीमती पूजा गर्ग ने श्रीमती विश्नोई को अपनी शुभकामनाएं संप्रेषित की। क्लब के सदस्यों ने भी श्रीमती विश्नोई के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त कर माहौल को भावुक कर दिया। इस अवसर पर सभी सखियों ने तांबोला गेम्स का आनंद उठाया। तत्पश्चात् दिसंबर एवं जनवरी माह में जन्मे सदस्यों का जन्मोत्सव भी मनाया गया।

तेजस्विनी' द्वारा मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग के स्वागत संग शीतकालीन खेलों का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा दिनांक 12 जनवरी, 2026 को मुख्य संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग हेतु स्वागत समारोह तथा साथ ही शीतकालीन खेलों का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर क्लब की मुख्य संरक्षिका द्वारा सभी को मकर संक्रांति एवं लोहड़ी की शुभकामनाएं संप्रेषित की गई। आयोजन के दौरान सभी सदस्याओं द्वारा मज़ेदार गेम्स खेले गए जिनका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद उठाया। साथ ही लोहड़ी जलाकर कार्यक्रम का आनंद लिया।

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी में 'बाल तरंग' अतिरिक्त कक्ष का उद्घाटन

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी में "बाल तरंग" अतिरिक्त कक्ष का उद्घाटन 20 जनवरी, 2026 को महिला आफिसर्स क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग द्वारा किया गया | इस अवसर पर श्रीमती पूजा गर्ग के टिहरी आगमन पर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती विभा सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात 'बाल तरंग' कक्ष का उद्घाटन क्लब की मुख्य संरक्षिका के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एम.के. सिंह, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय) श्री विजय सहगल, महाप्रबंधक (पी.एस.पी.) श्री एस.के. साहू, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की पदाधिकारीगण, सदस्यगण, टीएचडीसी के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा सोशल वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश ने सीएसआर विभाग के सहयोग से 15 जनवरी, 2026 को सोशल वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत टीएचडीसी स्थित ऑफिसर्स क्लब के कर्मचरियों को एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका द्वारा कम्बल वितरित कर उत्साह वर्धन किया गया।

बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 23 जनवरी, 2026 को किड्स क्लब में मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग द्वारा सभी कमेटी मेंबर्स एवं बच्चों के साथ बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर कुछ बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। सभी बच्चों को उपहार वितरित किए गए एवं मुख्य संरक्षिका द्वारा सभी बच्चों को शुभकामनाएं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं संप्रेषित की गई।

मानवता की ओर एक और कदम: तेजस्विनी का सेवा अभियान संपन्न

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा सोशल वेलफेयर कार्यक्रम के अंतर्गत ढालवाला स्थित कुष्ठ आश्रम में 28 जनवरी, 2026 को कुष्ठ रोगियों को राशन एवं अन्य जरूरत का समान वितरित किया गया। तत्पश्चात् दिव्य प्रेम सेवा मिशन, पौड़ी गढ़वाल (वन्देमातरम कुंज स्कूल) में विद्यार्थियों को मानव संसाधन विभाग के सहयोग से फल वितरित किए गए एवं स्कूल के लिए अलमारी तथा कंप्यूटर लैब के लिए स्टूल उपहार स्वरूप दिए गए। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने योग का बहुत ही कुशल प्रदर्शन किया तथा बालिकाओं ने गढ़वाली नृत्य से सबका मन मोह लिया। तेजस्विनी क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामनाएं संप्रेषित की। इसके अंत में गौशाला में चारा तथा गुड़ दान भी किया गया।

'तेजस्विनी' ने महिलाओं व बच्चों संग देखी देशभक्ति फिल्म "बॉर्डर 2"

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 30 जनवरी, 2026 को रामा पैलेस, ऋषिकेश में मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग की उपस्थिति में अपने क्लब की सदस्याओं को "बॉर्डर 2" फिल्म दिखाई गई। जिसका मूल भाव देशभक्ति, साहस और बलिदान था। क्लब की सभी महिलाओं एवं बच्चों ने फिल्म का आनंद उठाया।

Bridging the Digital Divide: THDCIL's Digital Education Drive in the Hills of Uttarakhand

Sh. Harsh Kumar
GM (S&E)
Rishikesh

Mrs. Mehak Sharma
Dy. Manager (S&E)
Rishikesh

Ms. Sonam
Officer (S&E)
Rishikesh

In classrooms tucked away in the hills of Uttarakhand, a quiet revolution is underway—chalkboards are giving way to smartboards, and learning is getting a digital upgrade.

India's path to inclusive and sustainable development is shaped by how effectively we educate and empower our future generations. As we work toward the United Nations Sustainable Development Goal 4 (Quality Education), THDC India Limited (THDCIL) is playing a pivotal role in transforming educational outcomes through its CSR initiatives under its thematic area, 'THDC Jagriti'.

Among its most impactful interventions is the introduction of Smart Classrooms in remote and hilly regions of Uttarakhand, with focused implementation in District Champawat. This initiative is helping bridge the long-standing digital divide between urban and rural education systems.

Empowering Classrooms Through THDCIL's CSR Initiatives

THDCIL has supported the supply and installation of 90 interactive digital smart boards in 90 Government Schools of District Champawat. These schools, located in difficult mountainous terrain, previously relied largely on traditional blackboard-based teaching methods with limited exposure to modern educational tools.

The Smart Classrooms are transforming the teaching–learning process by providing interactive, visual and curriculum-aligned digital content, making lessons more engaging and improving conceptual clarity—particularly in subjects such as science and mathematics. A key strength of the initiative is the availability of offline digital content, ensuring uninterrupted learning even in areas with limited or inconsistent internet connectivity.

To ensure effective adoption and long-term impact, THDCIL also organizes dedicated training sessions and orientation for teachers before installation of the smart boards. These sessions focus on building digital teaching skills and familiarizing educators with the new tools, helping them confidently deliver engaging and effective classroom instruction.

By equipping schools with modern technology, the initiative is not just upgrading infrastructure—it is empowering teachers with innovative teaching tools and enabling students to become active participants in their learning journey. The impact is visible through higher attendance rates, improved academic outcomes, and enhanced digital literacy among both students and educators.

Fig: Installation of Interactive Smart Board at 90 nos. Govt. School, Champawat, Uttarakhand

THDCIL's Step Toward Inclusive Learning

THDCIL's smart classroom initiative is a direct contribution toward achieving SDG 4, which calls for inclusive and equitable quality education and lifelong learning opportunities for all. By targeting remote and geographically challenging regions, THDCIL is helping reduce the rural-urban education gap and ensuring that no child is left behind due to their location.

In addition to classroom digitization, THDCIL also promotes Early Childhood Education (ECE) by upgrading pre-primary school infrastructure and organizing community awareness campaigns on the importance of foundational education. These integrated efforts aim to build a strong educational base from the earliest stages of learning.

Further, the initiative has directly benefited approximately 7,170 students and 90 teachers, while positively influencing families and communities through improved learning outcomes. Importantly, the programme delivers a strong Social Return on Investment (SROI) of 1.34:1—meaning that for every ₹1 invested, ₹1.34 of social value is generated. This value stems from improved educational outcomes, enhanced teaching effectiveness and reduced recurring costs on traditional teaching materials.

Conclusion: Learning That Rises with the Hills

THDCIL's efforts in digitizing education in Uttarakhand exemplify how public sector enterprises can serve as catalysts for inclusive social transformation. These initiatives go beyond infrastructure—they represent a long-term investment in human capital, digital equity, and empowered communities.

By integrating smart technologies into rural classrooms—and by empowering teachers to use them—THDCIL is not only transforming how children learn but also shaping a future generation that is informed, capable, and confident—ready to rise from the hills to greater heights.

Fig: Smart Board being installed at a Government School, Tehri, Uttarakhand

Fig: School teachers being trained to operate Smart Boards at a Government School in Tehri, Uttarakhand.

भयत्यागाद् हि प्रस्थानम्|
Life begins when fear ends.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. A. V. Narayanan
GM (Contract Deptt.)
Kaushambi
DOR: 31.01.2026

Sh. A. V. Narayanan, GM (Contracts Department), NCR Office, Kaushambi superannuated from the services of THDC India Limited on 31st January 2026.

He holds a B.Tech in Mechanical Engineering from Government Engineering College, Thrissur, where he secured First Rank. He joined THDCIL in 2001 as a Senior Engineer in the Contracts Department at Rishikesh. Prior to this, he worked with Tungabhadra Steel Products Ltd., Hospet, Karnataka.

During his tenure, he handled several major contracts, including the MDO for Amelia Coal Mine (₹15,000 Cr) and the SG Package for Khurja (₹4,300 Cr). He also contributed to the Combined Consultancy and Work Contract for the Sankosh Hydro Project, Bhutan. He has experience in Works, Consultancy, Turnkey, Goods and World Bank-aided contracts and served as HOD (Contracts) till 2026. His contributions in THDCIL will always be remembered.

श्री विनय गुप्ता
अपर महाप्रबंधक (आईटी)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री डी. सी. भट्ट
अपर महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

डॉ. नमिता डिमरी
मुख्य चिकित्साधिकारी (प्रभारी)
चिकित्सालय, टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री बी.सी. चौधरी
उप महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री बी. पी. राव
उप प्रबंधक (भूविज्ञान और भू-तकनीकी) ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री एस. पी. उनियाल
सहायक प्रबंधक (पुनर्वास समन्वय)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री कमल किशोर
कनिष्ठ कार्यकारी (एमपीएस)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री सुनील कुमार
कनिष्ठ कार्यकारी (डिजाइन)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री परशुराम थपलियाल
उप अधिकारी (डिजाइन-सिविल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री बुद्धि सिंह
वरिष्ठ कार्यसहायक (सर्विसेज़)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री घन्ना सिंह
परिचारक (ओएंडएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्रीमती सीता देवी
परिचारिका (मा.सं.-प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

श्री सत्यपाल शर्मा
हेल्पर (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2026

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

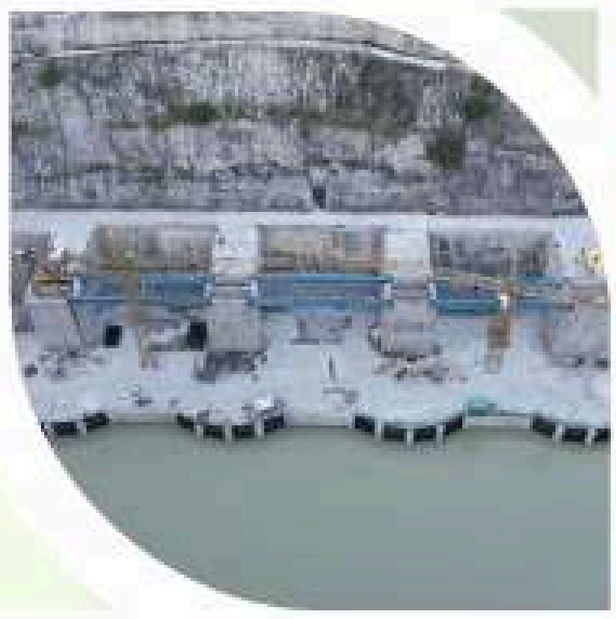

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रसा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)